Result Mitra Daily Magazine

BRICS

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में दक्षिण पूर्व एशियाई देश थाईलैंड और मलेशिया ने ब्रिक्स (BRICS) समूह में शामिल होने की इच्छा प्रकट की है।
- पिछले महीने थाईलैंड में ब्रिक्स (BRICS) में अपने आपको शामिल करने के लिए अनुरोध किया था जबकि मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने जल्द ही ब्रिक्स (BRICS) में शामिल होने के औपचारिक प्रक्रियाएं शुरू करने की बात कही है।
- आसियान फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक पिति श्रीसंगम के अनुसार आसियान के सदस्य देशों के ब्रिक्स में शामिल होने से उनके व्यापार और निवेश के अवसरों में वृद्धि होगी।
- थाईलैंड और मलेशिया जो कि दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में एक शक्ति के रूप में देखा जाता है को ब्रिक्स (BRICS) जैसे समूह में शामिल होने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी आवाज को उठाने और व्यापार तथा निवेश को बढ़ाने में मदद कर सकता है।

BRICS, ब्रिक्स क्या है?

- ब्रिक्स (BRICS), विभिन्न देशों का एक अंतर सरकारी संगठन है।
- ब्रिक्स (BRICS) विश्व की उभरती राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं का एक संघ है जिसकी परिकल्पना वर्ष 2001 में अर्थशास्त्री 'जिम ओ नील' ने ब्राजील, चीन, भारत और रूस के लिए ब्रिक (BRIC) के रूप में की थी।

गठन की शुरुआत -

- 20 सितंबर 2006 को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के दौरान रूस के प्रधानमंत्री व्लादिमीर पुतिन की पहल पर पहली ब्रिक्स मंत्रीस्तरीय बैठक आयोजित की जिसमें रूस, चीन और ब्राजील के विदेश मंत्री सहित भारत के रक्षा मंत्री ने भाग लिया।
- 16 मई 2008 को रूस के 'येकातेरिनबर्ग' में ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की एक बैठक की गई जिसमें सामयिक वैश्विक विकास पर आम सहमति के साथ एक संयुक्त विज्ञप्ति जारी की गई।
- 9 जुलाई 2008 को रूस के तत्कालीन राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने टोक्यो (जापान) में G-8 शिखर सम्मेलन के दौरान ब्राजील के तत्कालीन राष्ट्रपति लुइस इनासियो लूला दा सिल्वा, भारत के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह एवं चीनी राष्ट्रपति हू जिताओं के साथ बैठक में ब्रिक (BRIC) के औपचारिक गठन का एलान किया।
- 16 जून 2009 को रूस के 'येकातेरिनबर्ग' में पहले ब्रिक (BRIC) शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें पारदर्शी, सक्रिय और वृद्धिशील तरीके से BRIC देशों के बीच सहयोग एवं संवाद को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।
- वर्ष 2010 में इस अंतर-सरकारी संगठन में दक्षिण अफ्रीका के शामिल हो जाने के बाद इस संगठन का नाम ब्रिक (BRIC) से ब्रिक्स (BRICS) कर दिया गया।
- ब्रिक्स (BRICS), B से ब्राजील, R से रूस, I से इंडिया, C से चाइना और S से दक्षिण अफ्रीका को संदर्भित करता है।

BRICS की विशेषता -

- संयुक्त रूप से BRICS के सदस्य देश दुनिया की कुल आबादी का 45% (लगभग 3.5 अरब) आबादी का प्रतिनिधित्व करती है।
- विश्व बैंक के आंकड़े के अनुसार संयुक्त रूप से BRICS के सदस्य देश वैश्विक अर्थव्यवस्था के कुल मूल्य का 28% (लगभग 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर) रखता है।
- BRICS देश के सदस्य देश संयुक्त रूप से विश्व के लगभग 44% कच्चे तेल का उत्पादन करता है।
- BRICS के सदस्य देश संयुक्त रूप से कुल वैश्विक व्यापार के 16% व्यापार का प्रतिनिधित्व करता है।

BRICS के नए सदस्य -

- BRICS में वर्तमान में कुल 11 देश शामिल हैं।
- BRICS के 5 मूल सदस्य देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) के अलावे ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, अर्जेंटीना, मिस्र और इथियोपिया को BRICS के दक्षिण अफ्रीका में आयोजित 15 वें शिखर सम्मेलन के दौरान BRICS के सदस्य देश बनने का आमंत्रण दिया गया था।
- BRICS में इन नए देशों की सदस्यता 1 जनवरी 2024 से लागू हो गई है।

चीन की मंशा BRICS, पश्चिमी विदेशी समूह बने -

- हालांकि BRICS के सभी फैसले सर्वसम्मति से सभी देशों के साथ लिए जाते हैं लेकिन रूस खुद को पश्चिम का प्रतिद्वंद्वी ता है तथा चीन-अमेरिका संबंध ऐतिहासिक रूप से अपने निचले स्तर पर है ऐसे में BRICS समूह का हालिया विस्तार चीन एवं रूस की पश्चिमी देशों से प्रतिद्वंदिता दिखाता है।
- हालांकि BRIC के अन्य मूल सदस्य देश ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और भारत अमेरिका और यूरोप में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में है।
- ईरान को BRICS की सदस्यता, जिसकी पश्चिमी देशों में तनावपूर्ण संबंध है, में चीन और रूस का योगदान हो सकता है।
- चीन जो कि सऊदी अरब का सबसे बड़ा खरीददार है ने हाल ही में सऊदी अरब के प्रतिद्वंद्वी ईरान के साथ शांति समझौता स्थापित कराया है।
- हालांकि सऊदी अरब पारंपरिक रूप से अमेरिका का सहयोगी रहा है।
- मिस्र और इथियोपिया दोनों देशों के अमेरिका के साथ लंबे संबंध रहे हैं।
- चीन का मानना है कि ब्रिक्स (BRICS) एक पश्चिम विरोधी समूह बने लेकिन भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका इसे एक 'गैर-पश्चिमी' समूह के रूप में बनाए रखना चाहता है।

दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का संगठन ASEAN -

- ASEAN यानि (Association of South-east Asian Nations) दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का एक संगठन है।
- ASEAN दक्षिण-पूर्व एशिया के दस देशों का आर्थिक और राजनीतिक संघ है।
- आसियान जो पहले दक्षिण पूर्व एशिया संघ (ASA) के रूप में था, का गठन 31 जुलाई 1961 को हुआ जिसमें थाईलैंड, फिलिपींस और मलाया शामिल था।
- 8 अगस्त 1967 को आसियान (ASEAN) का गठन जिसमें 5 देश इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलिपींस, सिंगापुर और थाईलैंड था।

- इसके बाद ब्रुनेई (1984), वियतनाम (1995), लाओस (1997), म्यांमार (1997) और कंबोडिया (1999) में ASEAN का सदस्य बना।
- दो देश पूर्वी तिमोर और पापुआ न्यू गिनी पर्यवेक्षक के रूप में आसियान के सदस्य हैं।
- आसियान के सभी सदस्य देश संयुक्त रूप से 600 मिलियन से अधिक आबादी का प्रतिनिधित्व करता है एवं इसकी अर्थव्यवस्था वैश्विक अर्थव्यवस्था का लगभग 6.5% है।

BRICS संबंधी अन्य तथ्य -

- रूस अक्टूबर 2024 में BRICS की 16 वीं शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा।
- वर्ष 2014 में ब्रिक्स सदस्य देशों द्वारा बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए 'न्यू डेवलपमेंट बैंक' की स्थापना की गई।

रिजल्ट मित्र